SANSARA SAGARASYA NAYAKA

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO 8

CHAPTER NAME:SANSARA SAGARASYA NAYAKA

PPT 1

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Expected Learning Outcome

१. शिल्प सम्वन्धितज्ञानं ।

२. पारम्परिक सम्वन्धित ज्ञानम् ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

श्रेण्याम् विषयस्य उपक्रम:- प्रस्तुत पाठ: अनुपम मिश्रस्य कृति: "आज भी खरे है तालाव" इत्यस्य संसार सागरस्य नायक नामक: अध्यात् आनीत: । अत्र पारम्परिक ज्ञान, कौशल तथा शिल्पस्य धनी ग्रजधरस्य सम्वन्धे चर्चा भवति । जल निर्मित्तम् मानव निर्मितम् तहागम् अत्र संसार सागरस्य रूपे चित्रितम् भवति ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

यह पाठ अनुपम मिश्रा द्वारा लिखित 'आज भी खरे हैं तालाब' में संकलित 'संसार सागर के नायक' नामक अध्याय से लिया गया है। लेखक ने यहाँ पानी के लिए मानव निर्मित तालाब, बावड़ी जैसे निर्माणों को संसार सागर के रूप में चित्रित किया है। इस पाठ में, विलुप्त होते जा रहे पारम्परिक ज्ञान, कौशल एवं शिल्प के धनी गजधर के संबंध् में चर्चा की गयी है।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

के आसन् ते अज्ञातनामानः? शतशः सहस्त्रशः तडागाः सहसैव शून्यात् न प्रकटीभूताः। इमे एव तडागाः अत्र संसारसागराः इति।एतेषाम् आयोजनस्य नेपथ्ये निर्मापयितृणाम् एककम्, निर्मातृणां च दशकम् आसीत्। एतत् एककं दशकं च आहत्य शतकं सहस्त्रं वा रचयतः स्म। परं विगतेषु द्विशतवर्षेषु नूतनपद्धत्या समाजेन यत्किञ्चित पठितम्। पठितेन तेन समाजेन एककं दशकं सहस्त्रकञ्च इत्येतानि शून्ये एव परिवर्तितानि। अस्य नूतनसमाजस्य मनसि इयमपि जिज्ञासा नैव उद्भूता यद् अस्मात्पूर्वम् एतावतः तडागान् के रचयन्ति स्म।एतादृशानि कार्याणि कर्तुं ज्ञानस्य यो नूतनः प्रविधिः विकसितः, तेन प्रविधनिाऽपि पूर्वं सम्पादितम् एतत्कार्यं मापयितुं न केनापि प्रयतितम्।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थ: वे अज्ञात (अपरिचित) नाम वाले कौन थे?
सैकड़ों हज़ारों तालाब अचानक ही शून्य (खाली स्थान) से प्रकट नहीं हुए हैं। ये ही तालाब यहाँ संसार रूपी सागर हैं। इनकी योजना (कार्य) के पीछे बनवाने वालों की इकाई और बनाने वालों की दहाई थी। यह इकाई और दहाई मिलकर सैकड़ों अथवा हज़ारों को बनाते थे। परन्तु पिछले दो सौ वर्षों में नई पद्धति से समाज ने जो कुछ पढ़ा है, उस पढ़े हुए समाज से इकाई, दहाई और सैकड़ा ये शून्य में ही (समाप्ति में ही) बदल गए हैं। इस नए समाज के मन में यह जानने की इच्छा (जिज्ञासा) भी नहीं पैदा हुई कि इससे पहले इन तालाबों को किसने बनाया था। ऐसे कार्य करने के लिए ज्ञान की जो नई तकनीक विकसित हुई, उस तकनीक से भी पहले किए गए इस कार्य को नापने के लिए किसी ने भी प्रयत्न नहीं किया।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थः	भावार्थः
अज्ञातनामानः	अज्ञात (अपरिचित) नाम वाले।
शतशः	सैकड़ों।
सहस्त्रशः	हज़ारों ।
तडागाः	बहुत से तालाब।
सहसैव	अकस्मात्, अचानक ही।
संसारसागराः	संसार रूपी सागर (तालाब)।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

नपथ्य	पद के पीछे।
निर्मापयितृणाम्	बनवाने वालों की।
निर्मातृणाम्	बनाने वालों की।
एककम्	इकाई।
दशकम्	दहाई।
आहत्य	मिलकर (प्रारम्भ करके)।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

जिज्ञासा	जानने की इच्छा।
उद्भूता	उत्पन्न हुई, जागृत हुई।
अस्मात्पूर्वम्	इससे पहले।
एतावत:	इन (की)।
रचयन्ति स्म	बनाए थे।
प्रविधि:	तकनीक।
सम्पादितम्	किए गए।
मापयितुम्	मापने/नापने के लिए।
प्रयत्नितम्	प्रयत्न

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024